

कोमाविपूजाविधिरथा॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

सखाया॥ अथ पाक्षिग्रहविधिमाह॥ अलिंयिनायलसाक्षिपवि कभनम्यपना

लिचास्यगुबूमधुलपवे

गर्वसाधन सिद्धकथमधुलथिल किननम

धुलविसर्जन समाधि

आधिवासन अग्निस्थायन वावृषिसाधन

विधिवदवकापूजा॥

यिखालषूसहलिमाचालस्यस्य निष्कस्तिप

वृष आजुमसकस्य गवचविथका निष्कसन गुबूमधुलदन क विसर्जन स्वांगस्यैरा

वना गगनस्वहृत्तस्य आः कावेविहावाप्रणिमादवकावामपा र्वमूडात्मिका

पालीगुरु ॥

आशा मरुतधि
ASNA ARCHIVES

1.532

वृषभनिष्याशास्त्रद्वयासूर्यप्रकिमादिदवकायावामपारर्ष्यपञ्चडासननिषय॥३॥
 वज्रसूत्र॥३॥ भा३ सुवज्रनयानिलोङ्गन॥ वाहाग्निवक्त्रा॥ भा३ अमूरुअलक
 यानस्वाकचकंदारुस्वी
 नहंस्वाहा॥ अम्वलहाम्
 धवः॥ कीचनपर्वगाहसि
 अयश्नश्च सुर्मीगलम्वकुआनिधलनकवा॥ सुनापद्व॥ प्रवचस्वकम्या॥ रथा
 कासुलाकनवदवपू॥ धममाहम॥ अकि कन॥ प्रजानी सुर्मीगलीरुवकुआनि

धूनाडाहाय॥३॥ सर्वकथागककायविरअध
 कुअलरवेस्त्रान॥ अर्मीगलस्यादि॥ लम्बी
 लाकनाथसि मलप्रहीन॥ वृद्धावीवृद्धाम्ब

कवेकवायः॥सर्वमयूकः॥श्रुगर्भगलायः॥सधानृदवास्तुबदक्रिशीयः॥यः॥श्रीनिवासः॥
धुवनागक्षानो॥कल्मीकलीरवकुष्मन्तिककवेकवायः॥यद्वज्रलाञ्छवज्रमाल्यसंगीत
नृत्ययत्यव्यधयवचदोषवि
गीर्णसुर्मीकुलीरवकुपन
ऊँजिह्वाकूकूमकृष्णनि
गवचः॥का॥सिंधव॥यलस्वी॥द्रुतस्की॥सिद्धारंगेलावीधलि॥थ्वक॥अष्टमगलजोष
धिरुर्षी॥थका॥लिनंदिगवांसंलगलाय॥पूर्वनंसिद्धलछायक॥रंगेलावनंनिष्क

किचक॥ प्रवृषयागशवना॥ शुभ्रमाकनूसाहिन्नवाधिविहस्रवृषंरावयित्वा॥ कना
 स्वहृदयस्थवीजाङ्गनेनानालाकभाउहृ॥ बित्वागूकनिहृहृवनेगत्वा॥ कस्मादाकष्यः
 आप्रवृषलीनेचिकयन्॥ नि
 वलासहोका॥ कन्यादानविय
 शुलवाउका॥ गमथापर०न्॥
 गृहीत्वापाक्षिनापाक्षिवृक्षकृष्यप्रकृष्टिका॥ यनसूयनमनार्थकामार्थयविप्रययन्॥
 वायथाया॥ कूलउरिलेखधवारइक्ष्वावाथया॥ नेमसूयकान्ता००॥ कानसस्वस्तिचा

स्यै निलो जनलाहा गिरिका अलिने गायवाक् ॥ अंसर्ववृद्धचूणमसि वका श्रीषवरश्च
किष्टरुद्रस्वाहा ॥ अंवका हास समयमनूस्मवस्वाहा ॥ अग्वक्षे गाय ॥ माउनाय ला
नकीसि रं लया ॥ सा च कउय
विया ॥ ॥ थन आहू किवि
जा ॥ जिष्या विवासन ॥ मधु
पन्न आनी वाद सग्वै महनि काय चकपूजा दगुसमय कोमा विकाय ॥ क्ताग्वच वि
यका ॥ चलिजा दउया क काय ॥ वाकि १ ऊ जान क ह्ये अधि दान याय ॥ अं दिव्यान समा

संसारक ॥

अनघो नन स्वाहा ॥ च लू जानि प्रस्था र्गन क इर नान क ॥ गवल सग्वी विय ॥ सह लोऊन
विधिरथे वृमां गभदि ॥ भूख सुदि ॥ आ चू काय ॥ सम याच क ॥ राखा हू कि वि स र्गन ॥
अग्वन धाल हाऊन ॥ ॐ ॥
अनन ॥ आवज सुखाय ॥
ग्वन मग ऊर्ख सिद्धम
क सुवाया लूसाया क सुव हनुन कु क मा नि स य का ॥ अ न द मा स क र्ण य नि पा दिं स्था
प ना या य ॥ ह र्ण र्ण गु वू या दा र्ण ॥ गु व म गु ल य च र्ण र्ण ॥ ध न सिद्ध न य म गु ल वि स

आभा नरु कथि
ASHA ARCHIVES

1.532